फतवे गुमराह कर रहे, रोजगार पर बात हो

बोले मुशर्रफ जोकी

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

दारुल उलूम के फतवे मुस्लिमों को पीछे धकेलने का काम कर रहे हैं। जो फतवे दिए जाते हैं, उनसे 92 फीसदी मुस्लिमों का कोई लेना-देना नहीं होता। मात्र आठ फीसदी लोग हैं जो फतवे और इसके पीछे की राजनीति में हैं।

देश में रोजगार नहीं है। दारुल उलूम को मुस्लिमों के रोजगार पर बात करनी चाहिए। कांग्रेस ने मुस्लिमों का 70 साल में कोई भला नहीं किया। जो लोग अमन पसंद हैं और राजनीति से दूर हैं, ऐसे 92 फीसदी लोगों को आगे आना होगा। हमें उर्दू को वक्त के साथ नए प्लेटफॉर्म पर लाना होगा।

चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग में यह बात फिल्म प्रोड्यूसर और स्क्रिप्ट राइटर मुशर्रफ आलम जोकी ने कही। सारा दिन सांझ, रुका हुआ दर्द, आजमाइश और मिल्लत फिल्म के प्रोड्यूसर तथा नशेमन, रुख एवं पहला कदम सीरियल बना चुके आलम ने कहा कि हमें वक्त के संदर्भ में बात करनी चाहिए। बैंक में रुपये जमा मत करो, बैंक वाले के यहां शादी मत करो, चुस्त बुर्का मत पहनो, फोटो मत खिंचवाओ,

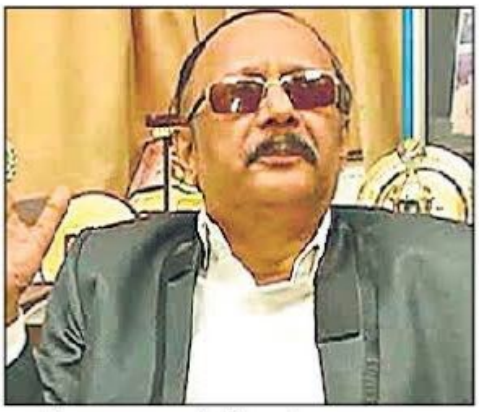

मुशर्रफ आलम जोकी। • हिन्दुस्तान

ऐसे फतवे देकर मुस्लिमों को पीछे धकेलने का काम हो रहा है। आलम के अनुसार जब तक इन फतवों को समझने में समय लगता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। 92 फीसदी मुस्लिमों का इनसे कोई लेनादेना नहीं है। समय आ गया है कि ये 92 फीसदी लोग आगे आएं और अपने हक की बात करें। फतवे गुमराह करने का काम कर रहे हैं। मुसलमानों के रोजगार पर बात होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सियायत चाहे जिसकी हो, हमें अपनी बात वहां तक पहुंचाने की हिम्मत लानी होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश के मुसलमानों का सर्वाधिक नुकसान किया। कांग्रेस मुसलमानों का विकल्प नहीं है। आलम ने कहा कि उर्दू को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी जिन एकेडमी को सौंपी गई उन्होंने क्या किया। उनमें जो लोग बैठे हैं उन्होंने उर्दू का क्या भला किया। जरूरत इस बात की है कि जो लोग उर्दू के लिए काम कर रहे हैं उन्हें जिम्मेदारी दी जाए। ऐसे लोगों को ही आगे आना होगा। आलम के अनुसार हमें उर्दू को डिजिटल सहित नए प्लेटफॉर्म पर लाना होगा।

बेगम समरू पर बनेगी फिल्मः बेगम समरू, खजुराहो सहित वेस्ट यूपी के भारतीय इतिहास में योगदान पर अब फिल्म बनेगी। हॉलैंड में लंबे समय से रह रहे और मेरठ में जन्मे अवनीश राजवंशी इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के जरिए दुनियाभर में भारत और भारतीय संस्कृति की सही तस्वीर पेश करने के लिए राजवंशी फिलहाल कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। 'द किंग मेकर ऑफ द मुगल एम्पायर' फिल्म के सिलसिले में वह शनिवार को इतिहास के प्रोफेसर डॉ. विघ्ननेश त्यागी से मिले। इसमें मेरठ की क्रांति से लेकर मुगलकाल में यहां के लोगों के योगदान पर बात की। अवनीश के अनुसार दुनिया का इंट्रेस्ट भारत में है।

वे भारत को जानना चाहते हैं। वे भारत की संस्कृति को विदेशियों तक लेकर जा रहे हैं। भारतीय संस्कृति का इतिहास गौरवशाली रहा है। खजुराहो पर भी फिल्म बनाई जा रही है। इसमें धर्म के पहलू को उजागर किया जाएगा।